

Though the heat wave has made life miserable for middle class, but poor and the homeless are the main sufferers. Most of the casualties of the heat wave are the downtrodden people in the society. The people who died were homeless, construction workers, agricultural labourers and rickshaw pullers who have to work to earn their livelihood in the burning heat. It is not only the harsh weather alone that has contributed to the death toll, but poverty also that stands in the way of millions of people in this country from finding shelter from this scorching heat, food and drinking water to tide over dehydration.

To save the poor people from this heat wave, neither the Government nor NGOs have taken steps to provide protection to them. It is very essential that temporary shelters are constructed and provision of drinking water at public places made to reduce the incidents of dehydration and heat stroke.

### **Concern over misuse of on-line Trading in the Country**

**श्री बनवारी लाल कंचाल (उत्तर प्रदेश) :** उपसभापति महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी को मालूम है कि वायदा व्यापार ऑन लाइन ट्रेडिंग ने "ई मेल" द्वारा पूरे देश में जुए और सटूटे का रूप ले लिया है। इस से मंहगाई लगातार बढ़ रही है। वायदा व्यापार के विरोध में 22 मई, 2006 को समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय व्यापार सभा जंतर मंतर पर धरना व प्रदर्शन कर रही है। सरकार वायदा व्यापार को रोकने के लिए क्या कोई प्रयास कर रही है? यदि हां तो क्या? यदि नहीं तो क्यों? धन्यवाद।

### **Concern over Bomb blasts in Nanded and Ghatkopar in Maharashtra**

**श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश):** उपसभापति महोदय, जब भी देश में कहीं बम धमाके होते हैं, तो बम धमाकों के चंद घंटों बाद ही पुलिस अफसरों व मंत्रियों और मीडिया के जरिए इनमें मुस्लिम आतंकवादी तंजीमों का नाम जोड़ दिया जाता है। बनारस के संकट-मोचन मंदिर में बम धमाका होता है, तो इसमें मुस्लिम आतंकवादियों के हाथ की बात कही जाती है, लेकिन जामा मस्जिद में बम ब्लास्ट होता है, तो इसमें भी मुस्लिम संगठनों या क्रिमीनल्स का नाम लिया जाता है। परन्तु, इस सदन का ध्यान मैं नानदेड़ बम ब्लास्ट की तरफ भी दिलाना चाहता हूं। 6 अप्रैल की रात में नानदेड़ के पाटबंधारे नगर में एक रिटायर्ड पी.डब्ल्यू. डी. इंजीनियर के घर में कुछ नौजवान, जिनका सम्बंध हिन्दू उग्रवादी संगठनों की नानदेड़ शाखा से